

सोयाबीन के खेत की तैयारी एवं बोवाई की विधि

किसान भाईयों सोयाबीन की बुवाई का समय आ चूका है और ऐसे समय में यह आवश्यक है की अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए खेत की तैयारी के समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखे। तो किसान भाईयों चलिए अब हम समझने की कोशिश करते है कि सोयाबीन की बुवाई से पहले खेत की तैयारी कैसे करना चाहिए।

- उत्तम बुवाई, बीज के अच्छे अंकुरण व फसल की अच्छी वृद्धि के लिए खेत को भली भाँति तैयार करना चाहिए।
- रबी की फसल की कटाई के बाद (मार्च - मई के बीच) 3-4 वर्ष अंतराल पर एक बार खेतों में मिट्टी पलटने वाले हल से ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई करें एवं खेत को धूप लगने के लिए खुला छोड़ दें।
- ऐसा करने से भूमि में उपस्थित कीटों, रोगों एवं खरपतवार के बीज नष्ट हो जाते हैं एवं मिट्टी के भौतिक वातावरण में जैसे मृदा में वातायन, पानी सोखने एवं जल धारण शक्ति, मृदा भुरभुरापन, भूमि संरचना इत्यादि में सुधार होता है। इससे भूमि में पौध पोषण सुलभता और नमी का संवरक्षण भी होता है।
- गर्मी की गहरी जुताई के बाद कल्टीवेटर से 2 बार हकाई करने से मिट्टी के ढेले टूट जाते है और बीज की बोनी के लिए सीड बेड का निर्माण अच्छी तरह हो जाता है।
- खेत से पूर्व में कास्त की गई फसल के अवशेष व जड़ों को रोटोवेटर चलकर ज़मीन में मिला दें अथवा खेत से निकल कर खाद बनाने के लिए काम में लें।
- तत्पश्चात दो बार बख्खर या कल्टीवेटर से जुताई कर व पाटा चलाकर खेत को समतल कर लेना चाहिए।
- सोयाबीन की बुवाई खेत के ढाल के विपरीत दिशा करें व सोयाबीन की हर छटवीं व सातवीं लाइन के बीच एक गहरी नाली निकल दें। ऐसा करने से फसल अवधि के दौरान लम्बा सूखा पड़ने पर पौधों को पानी की आवश्यकता की पूर्ति होती रहेगी।

Solidaridad

- फसल अवधि के दौरान लम्बे समय के सूखे पड़ने के नुकसान से बचने के लिये यह उपयुक्त होगा कि सोयाबीन की बुवाई बीबीएफ (ब्रॉड बेड एवं फरो) अथवा फआईआरबी (फरो इरीगेटेड रेज्ड बेड) विधि से की जाए। इससे अत्यधिक वर्षा के समय अतिरिक्त जल की निकासी सुलभ होगी एवं कम वर्षा या तान की स्थिति में संरक्षित जल से पौधों को नमी मिलती रहेगी।
- यदि सामान्य सीड ड्रिल से बोनी की जा रही हो तो यह सुनिश्चित कर ले की सीड ड्रिल में पंजियाँ लगी हो।



Solidaridad

संतुलित बीज दर का प्रयोग :

- बीज दर : 75 किलो /हेक्टेयर
- सुनिश्चित करना की , बीज का अंकुरण परीक्षण 70 % या उससे ऊपर हो ।
- सोयाबीन का बीज दर- 65 किलो (छोटे दानो, JS 335) / हे से 75 किलो (बड़े दाने , JS 95-60, NRC 7) /हे
- बीज दर को बीज सूचकांक के आधार पर प्रयोग करे(बीज के आकार, वज़न)
- उपयुक्त बीज दर के प्रयोग से अनुकूल पौध संख्या अर्थात 4 लाख /हेक्टेयर प्राप्त होती है यदि सही पौध विन्यास (पंक्ति से पंक्ति एवं पौधे से पौधे) का अनुसरण किया जाए ।
- बीजो की खरीदी विश्वसनीय श्रोत से करे
- उपयुक्त प्रजाति का चुन्नव करे और प्रमाणित बीज का प्रयोग करे

बीज बोने की विधि

- सोयाबीन पारंपरिक रूप से ट्रूफन या तीफन विधि से बोनी की जाती है ।
- यदि समय पर बोवनी की जा रही हो तो लाइन से लाइन की दुरी 45 से मी रखना चाहिए ।
- यह ध्यान रखना आवश्यक है की बीज ज़मीन में 5 से मी से अधिक गहरा न गिरे ।
- बड़े आकार के बीज की गहरायी 3 से मी रखे
- मानसून देर से आने की स्थिति में बीज दर को सवाया कर ले (25 % बढ़ा ले) और कतार से कतार की दुरी 30 से मी कर ले । इससे देर से बोवनी करने से उपज में होने वाले हानि को कम किया जा सकता है
- यांत्रिक विधि के विस्तार के बाद , एवं ट्रैक्टर चलित सीड ड्रिल , किसानो द्वारा बहु फसली सीड ड्रिल का प्रयोग किया जा रहा है ।
- इस प्रकार के सीड ड्रिल में , कतार से कतार की दुरी फसल की आवश्यकता एवं बीज दर के अनुसार बदला जा सकता है ।
- सामान्य रूप से सीड ड्रिल द्वारा कतार से कतार 14 से 18 इंच की दुरी बनाते हुए , 5-9 पंक्ति की समतल बोनी की जा सकती है ।
- पानी की तान को दूर करने के लिए यह अति आवश्यक है की सोयाबीन की बोनी BBF/FIRB विधि से की जाए .
- यदि ऐसे उपकरण न हो तो प्रत्येक छ या सात पंक्ति के बाद एक नाली बना ले
- यदि सामान्य सीड ड्रिल से बोनी की जा रही हो तोह यह सुनिश्चित कर ले की सीड ड्रिल में पंजी लगा है

Solidaridad

बोवनी का समय

मध्य भारत के लिए बोवनी का उचित समय 20 जून से लेकर 5 जुलाई तक है। जून के अंतिम सप्ताह में बोवनी कर देना लाभप्रद है। यदि सही समय पर मानसून आ जाए तो इस समय बोवनी कर देना लाभकारी है।